महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के 33वें सम्मान समारोह में विशेष अलंकरण, 116 विद्यार्थियों सहित 135 का हुआ सम्मान

मेवाड़ में सम्मानित हुईं देश-दुनिया की प्रतिभाएं

भास्कर संवाददाता | उदयपुर

महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन का 33वां वार्षिक सम्मान समारोह रविवार शाम को हुआ। सिटी पैलेस के नगीनावाड़ी दरीखाना में 19 विशेष अलंकरण सहित 135 ने सम्मान पाया। भामाशाह, महाराणा राजसिंह व महाराणा फतह सिंह सम्मान पाने वाले 116 विद्यार्थियों में से 11 नाम ऐसे भी थे, जिनकी बदौलत उनके माता-पिता-भाई मंच पर पहुंच गौरवान्वित हुए। सभी 116 विद्यार्थियों में 72 छात्राएं सम्मानित हुईं। सिटी पैलेस में समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन व एकलिंग आरती से हुई। शुरुआत में 34 विद्यार्थियों को भामाशाह सम्मान, 10 विद्यार्थियों को महाराणा राजसिंह सम्मान व 72 विद्यार्थियों को महाराणा फतह सिंह सम्मान दिया गया। फाउण्डेशन अध्यक्ष अरविंद सिंह मेवाड़ ने कहा, मैं कामना करता हूं कि उदयपुर न सिर्फ पर्यटन, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में भी दुनिया का मार्गदर्शन करे। फाउंडेशन प्रवक्ता राष्ट्र कवि पंडित नरेंद्र मिश्र ने 'हम उनके गीत गाते हैं...', 'ये भूमि स्वाभिमान की है...' काव्य पाठ किया। अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रकवि बालकवि बैरागी ने कहा कि फाउंडेशन के मंच पर सम्मानित हुए मनीषी राष्ट्रपति और नोबल पुरस्कार विजेता बने। पन्नाधाय अलंकरण पाने वाली अनु आगा ने कहा कि क्वालिटी एजुकेशन पाना हर बच्चे का हक है। हकीम खां सूर अलंकरण प्राप्तकर्ता वृंदा ग्रोवर ने कहा कि न्याय से शांति और एकता कायम हो सकती है।

इन्हें मिले विशेष अलंकरण

एक अंतरराष्ट्रीय, चार राष्ट्रीय सम्मान के अलावा राज्यस्तरीय सम्मान में कृति भारती, श्याम सुंदर पालीवाल को महाराणा मेवाड़ अलंकरण, प्रो. ओम प्रकाश उपाध्याय, पंडित गणपति लाल शर्मा को महर्षि हारित राशि, नारायण लाल शर्मा, पद्मश्री डॉ. चन्द्र प्रकाश देवल को महाराणा कुंभा, कमलेश जांगिड़ को महाराणा सज्जनसिंह, अम्मान अली-अयान अली खान को डागर घराना, चुन्नी लाल गरासिया को राणा पूंजा, नवनीत गौतम, सुमित्रा शर्मा को अरावली, डॉ. शैलेन्द्र मोहन को विशिष्ट अलंकरण, थाना सारोल (झालावाड़) प्रभारी को महाराणा मेवाड़ विशेष अलंकरण मिला।

महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन की ओर से रविवार को समारोह में सम्मानित प्रतिभाएं। फोटो : भास्कर

विशेष अलंकरण पाने वालों की ये हैं उपलब्धियां

कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण

प्रो. जॉन डी. स्मिथ केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी लंदन में संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने लोक देवता पाबूजी पर शोध किया। संस्कृत और राजस्थानी किताबों का संपादन किया।

हल्दीघाटी सम्मान

पियूष पाण्डे ने विज्ञापनों के माध्यम से सामाजिक क्रान्ति का काम किया है। उनके बनाए पोलियो मुक्त भारत, शिक्षा के विज्ञापनों को दुनियाभर में सराहा गया।

हकीम खां सूर सम्मान

दिल्ली की वकील वृंदा ग्रोवर घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, बाल उत्पीड़न के खिलाफ लड़ती रही हैं। टाइम्स पत्रिका 2013 में दुनिया के 100 प्रभावशाली व्यक्तित्वों में चुनी गईं।

महाराणा उदयसिंह अलंकरण

पद्मश्री जादव मुलाय पयांग फोरेस्ट मेन ऑफ आसाम के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने हजारों बीघा में जंगल पनपा दिया। फोरेस्ट मैन ऑफ इंडिया पुरस्कार भी मिला।

पन्नाधाय अलंकरण

पद्मश्री अनु आगा समाजसेविका के रूप में शिक्षा को बढ़ावा देने का काम कर रही हैं। प्राइवेट कंपनी से रिटायर होकर उन्होंने बच्चों की शिक्षा को जीवन समर्पित कर दिया है।